


---

# Prithivikritam Hari Stotram

——  
पृथिवीकृतं हरिस्तोत्रम्

——  
Document Information



---

Text title : Prithivikritam Hari Stotram

File name : haristotrampRRithivIkRRitaM.itx

Category : vishhnu, stotra

Location : doc\_vishhnu

Proofread by : PSA Easwaran

Description/comments : Kalikapurana Adhyaya 36 shloka 15-22

Latest update : January 15, 2022

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

January 15, 2022


*sanskritdocuments.org*

---



---

## Prithivikritam Hari Stotram

——  
पृथिवीकृतं हरिस्तोत्रम्



पृथिव्युवाच -

नमस्ते जगदव्यक्तरूप कारणकारण ।

प्रधान पुरुषातीत स्थित्युत्पत्तिलयात्मक ॥ १५ ॥

जगन्नियोजनपर स्वाढाभोगधरोत्तम ।

जगदानन्दनन्दात्मन् भगवन् जगदीश्वर ॥ १६ ॥

नियोजको नियोजयश्च विभ्राजन् विष्णुरव्ययः ।

नमस्तुभ्यं जगद्धातस्त्रिलोकालय विश्वकृत् ॥ १७ ॥

यः पालयति नित्यानि स्थापयत्येव तत्परः ।

तं त्वां नियमरूपेण नमामि जगदीश्वर ॥ १८ ॥

त्वं माधवः प्रवेकश्च कामः कामालयो लयः ।

प्रसूतिर्युतिहेत्वर्थत्राणकारणमीश्वरः ॥ १९ ॥

न यस्य ते क्लेदाय स्युरापो नोष्मा तथोष्मणे ।

न शीताय भवेच्छीतं तस्मै तुभ्यं नमो नमः ॥ २० ॥

न समुद्रः प्लवकरो न शोषाय दडात्मकः ।

न मृत्यवे यस्य यमस्तस्मै तुभ्यं नमो नमः ॥ २१ ॥

यश्चिद्धार्यं योगिभिः शान्तदृडे-

रुन्मार्गाणां यात्यरिध्येयकृत्यम् ।

नित्यं यत्तद्रूपमार्गावसक्तं

स त्वं त्राडि त्राणमिच्छन् धरित्रीम् ॥ २२ ॥

एति कालिकापुराणे षट्त्रिंशाध्यायान्तर्गतं पृथिवीकृतं हरिस्तोत्रम् ।

Proofread by PSA Easwaran

*Prithivikritam Hari Stotram*

pdf was typeset on January 15, 2022

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

